पहचानें मन की अद्भुत शक्ति को

हर एक अनुभव दुनिया में विचार का एक बहुत बड़ा कारण है। जो भी हमने सोचा है, उसी के आधार पर हमने कर्म किया है। हर एक अनुभव उस पल, उस क्षण के लिए सही हो सकता है, लेकिन हमेशा तो वो अनुभव एक जैसा नहीं होगा ना। लेकिन हमारे अंदर एक नेचर होती है कि एक बार जो अनुभव हमें हो गया उस अनुभव के आधार से हम विचार ले आयेंगे और वैसा ही सोचेंगे, वैसा सुनेंगे, वैसा ही बालेंगे। और बार-बार कहते भी रहेंगे कि नहीं, ये मेरा अनुभव है। इसमें एक मछली का उदाहरण हम आपको देना चाहेंगे कि एक व्यक्ति जिन्होंने अपना एक एक्वेरियम रखा हुआ था जिसमें मछली को रोज़ दाने डालते थे, कभी ऊपर से तो कभी साइड से दानें डालते थे, मछली उसी हिसाब से उस स्थान पर जाकर दानें खा लेती। अब उन्होंने एक एक्सपेरिमेंट किया कि मछली के एक्वेरियम में चारो तरफ शीशे का एक ट्रांसपेरेंट ग्लास लगा दिया चारो कोनों पर। और उसके बीच वो दाना डालता। अब देखिए होता क्या था कि वो दाना तो ऊपर डालता था लेकिन वो नीचे फैल जाता है। तो अब चाहे तो मछली वो दाना खा सकती थी ना लेकिन उसका ये अनुभव था कि दाना जब कोने से बाहर आयेगा तब मैं उठ के जाकर खाऊंगी। बार-बार कोने के पास जाती और शीशे पर ज़ोर मारकर वापस आ जाती। ऐसा करते-करते मछली के चेहरे पर खून आ गया। क्योंकि चारो कोनों पर शीशा था। व्यक्ति का अनुभव भी ऐसा ही है जैसे मछली का है। जैसे उसके अंदर ये बिलीफ बैठ गया कि जब तक कोने में दाना नहीं मिलेगा तब तक दाना नहीं खा सकती। ऐसे ही हम सभी भी ऐसे छोटे- छोटे अनुभव के आधार से विचारों को रचते हैं और वैसे ही कर्म करते हैं। उदाहरण के लिए जैसे आपको कहीं एग्ज़ाम देने जाना है, और एग्ज़ाम देने जाते समय हर बार एक अनुभव होता था कि जब भी मैं एग्ज़ाम देने जाता हूँ तो मेरे साथ ऐसा ही होता है कि कभी फ्लाइट मिस हो जायेगी, कभी ट्रेन मिस हो जायेगी, कभी कहीं दंगा हो जायेगा, कभी ट्रेन की पटरी उखर जायेगी, ये आपका अनुभव है। और उसी अनुभव के आधार से आप जाते हैं और वैसा ही कर्म हो जाता है। आज हमें सीखना ये है कि हर अनुभव आपका सही नहीं भी हो सकता है, और कोई ज़रूरी नहीं है कि जो आपका अनुभव हो वही सबका अनुभव हो।

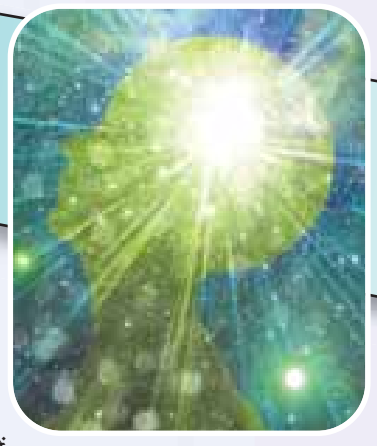

कोई भी थॉट आने से पहले उसका एक छोटा सा विज़न हमारे अंदर आता है। उस विज़न के अनुभव के आधार से हम किसी भी विचार की उत्पत्ति करते हैं। उस उत्पत्ति के आधार से हमारे कर्म ऐसे होते जाते हैं। और धीरे धीरे वैसा ही हमारा भाग्य बन जाता है। इसमें हमारा चिंतन हमें बहुत सारा सहयोग देगा।

इसलिए जो भी आपने संशययुक्त संकल्प अपने अंदर लाया उसके आधार से ही तो गलती हो रही है। तो हर दिन एक नये अनुभव को अपने साथ जोड़िये और अनुभव के आधार से विचारों को नहीं लाना है, क्योंकि वो अनुभव हर समय बदल जायेगा। इसलिए हमको विचार लाना है तो बुद्धि की शक्ति से लाना है। विचार करके लाना है कि ये सही है, ये गलत है। इसलिए हर एक आत्मा इन बातों को लेकर बहुत ही ज़्यादा सोचती है कि मैंने कहा ना कि ये मेरा अनुभव है, मेरी सोच है, मेरा संकल्प है, ये बार-बार उनको धोखा देता है। इसमें पुराने बिलीफ, पुरानी मान्यतायें बहुत काम करती हैं। इसलिए अपनी समझ के आधार से हम जो भी कर्म करेंगे वो सही होगा और कभी भी आपको तकलीफ नहीं होगी।

बड़ौत-उ.प्र.। सेवाकेंद्र में आने पर ज्ञानचर्चा करने के पश्चात् भरतपुर, राजस्थान के स्वास्थ्य मंत्री सुभाष गर्ग को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. मोहिनी।

कूचबेहर-प. बंगाल। राजयोग मेडिटेशन ट्रेनिंग प्रोग्राम का शुभारम्भ करते हुए गांव के मुखिया, भाजपा के स्थानीय प्रभारी प्रियनाथ चक्रवर्ती, हेड मास्टर, ब्र.कु. संपा तथा अन्य।

उदयपुर-राज.। 'अलविदा डायबिटीज़' कार्यक्रम में उपस्थित डॉ. आनंद गुप्ता,आई.एम.ए. अध्यक्ष, डॉ. श्रीमंत साहू,डायबिटोलॉजिस्ट,मा.आबू, रिटायर्ड आई.ए.एस. ऑफीसर तथा ब्र.कु. रीटा।

भादरा-राज.। मदर्स डे पर कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए एपेक्स स्कूल मैनेजर सुमन जी, ब्र.कु. चन्द्रकांता, गीता पाठशाला इंचार्ज दुर्गा माता तथा अन्य।

जोधपुर-राज.। 'मातृत्व दिवस व समर कैम्प' का शुभारम्भ करते हुए समाज सेवी व प्रिंसिपल फूल कौर, पार्षद पायल जिनयानी, ब्र.कु.फूल, ब्र.कु. शील तथा ब्र.कु. शुचि।

अजमेर-राज.। रेड क्रॉस सोसायटी में 'अलविदा तनाव' कार्यक्रम के पश्चात् पोस्ट मास्टर जनरल को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. शांता। साथ हैं ब्र.कु. विजया, ब्र.कु. आशा, ब्र.कु. रमेश तथा ब्र.कु. डॉ. आनंद अग्रवाल।

हज़ारीबाग-झारखंड। वॉकथॉन के बाद समूह चित्र में ब्रह्माकुमारी बहनें तथा अन्य।

फिरोज़ाबाद-उ.प्र.। 'मेरा भारत स्वर्णिम भारत' कार्यक्रम में यात्रियों को मोमेंटों भेंट करते हुए एस.आर.के. डिग्री कॉलेज के प्रिंसिपल।

वहल-हरियाणा। सरकार के महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से पंचायत घर में आंगनवाड़ी वर्कर्स के लिए आयोजित 'मेहंदी रचाओ, हेल्दी रेसिपि तथा स्लोगन पेंटिंग' प्रतियोगिता में आमंत्रित किये जाने पर वहाँ उपस्थित हैं राजयोगिनी ब्र.कु. शकुन्तला, जिला परियोजना अधिकारी परिणीता गोस्वामी, सी.डी.पी.ओ. अनीता खुराना, सुपरवाइज़र पूनम यादव तथा अन्य।

ओमशान्ति मीडिया वर्ग पहेली-17(2018-2019)

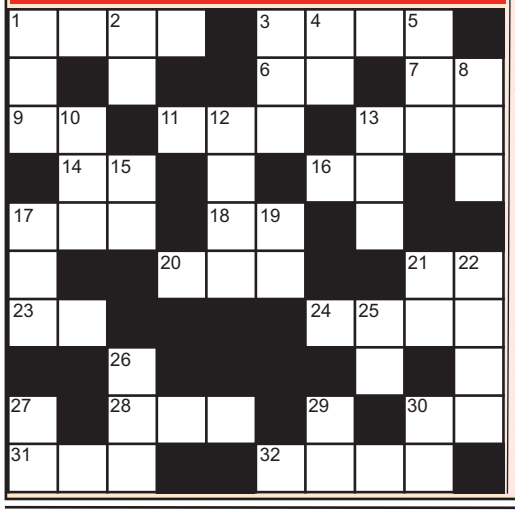

ऊपर से नीचे

1.एक खूशबूदार पुष्प जो कांटों में रहता है (3)
2. द्वार, दरवाजा (2)
3. प्राचीन, जो नवीन न हो (3)
4. ...महाशत्रु है (2)
5. अज्ञानी, नासमझ (3)
8. देखना, घूरना (3)
10. राय, मशवरा (3)
12.धर्म, पंथ (4)
13.शिवरात्री के बजाए त्रिमूर्ति शिव...कहना चाहिए (3)
15. पूर्ण, सम्पन्न, आबाद (2)
17. धैर्यवान, शांत, धीर, कम बोलने वाला (3)
19.अभी सभी मानव मात्र पर...की दशा है (2)
21.रिश्ता, सम्बन्धी (2)
22. शमा पर फिदा होने वाला (4)
25.नस, नाड़ी, तागा (2)
26. संदेश, सूचना (3)
27. महफिल में जल उठी...(2)
29. नित...करो मन से शिव को (2)
30. ताप, दहन, अग्नि संस्कार (2)

बाएं से दाएं

-ब्र.कु. राजेश, शान्तिवन

1. पुष्प गुच्छ, फूलों का बनाया हुआ समूह (4)
3. बुलाना, आवाज़ देना (4)
6. त्रेतायुग के महाराजा (2)
7. देने वाला,...बन सदा दान देते रहो (2)
9. और अधिक नहीं, इतना बहुत है (2)
11. इच्छा, चाहना (3)
13. विदेही, पिता, बाप (3)
14. फायदा, नफा (2)
16. विजय, जीत, लाभ (2)
17. सागर से...गगन से ऊंचा बाबा (3)
18. तिरंगे का एक रंग, सम्पन्नता का सूचक (2)
20.ड्रामा...रिपीट होता है, वैसा ही (3)
21. मापना, किसी वस्तु का परिमाण (2)
23.धूल, कण, अंश (2)
24. सृष्टिकर्ता, विधाता, रचयिता (4)
28. ब्रह्मा ने भी बहुत....खाई है, अपशब्द (3)
30. अनाज का कण, बीज, भोजन (2)
31. ज्ञात, जानकारी (3)
32. राजा, महाराज, शासन करने वाला (4)

ऋषिकेश-उत्तराखंड। 'कर्मों की नवीनता' कार्यक्रम का शुभारम्भ करते हुए व्यापार सभा के पूर्व अध्यक्ष नवल किशोर, रूकमणि धर्मशाला अध्यक्ष अमरनाथ जोशी, कैराना संघ के पूर्व अध्यक्ष राम प्रकाश तथा ब्र.कु. आरती।